

प्रेषक,

डा० अजय कुमार प्रद्योत,  
सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
खेल निदेशालय,  
उत्तराखण्ड, देहरादून।

संस्कृति, खेलकूद एवं पर्यटन अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक 29 जनवरी, 2014

विषय:- महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कालेज रायपुर, देहरादून में वॉशरूमों (टॉयलेट) के जीर्णोद्धार कार्य के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-679/म०प्र०स्पो०जी०पत्रा०/2013-14 दिनांक 23 नवम्बर, 2013 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कालेज रायपुर, देहरादून में टॉयलेट की मरम्मत एवं जीर्णोद्धार हेतु संस्तुत ₹12.39 लाख मात्र (बारह लाख उन्तालीस हजार) (₹11.96 लाख की धनराशि सिविल कार्यों हेतु तथा ₹0.43 लाख उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति के अनुसार कार्यवाही किये जाने हेतु) की धनराशि की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए वित्तीय वर्ष 2013-14 में इतनी ही धनराशि आपके निवर्तन पर रखे जाने एवं निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- उक्त स्वीकृत धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ स्वीकृत की जाती है कि उक्त के सम्बन्ध में वित्त विभाग के शासनादेश सं०-284/XXVII(1)/2013 दिनांक 30 मार्च, 2013, में निहित शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा। मितव्ययी मदों में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाय। यहाँ यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता जिसे व्यय करने के लिए बजट मैनुअल वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों एवं अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय सम्बन्धित की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिए। कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व वित्त विभाग के शासनादेश सं०-474/XXVII(7)/2008 दि०-15-12-08 के विहित शर्तों के अनुसार कार्यदायी संस्था से निर्धारित प्रपत्र पर एम०ओ०यू० अवश्य हस्ताक्षरित करा लिया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।

3- कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र पर सक्षम अधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी आवश्यक होगी।



.....(2)



- 4- कार्य पर मदवार उतना ही व्यय किया जाये जितनी मदवार धनराशि स्वीकृत की गयी है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाए। कार्य पूर्ण कराया जाना शीघ्र सुनिश्चित किया जायेगा विलम्ब अथवा अन्य किन्हीं भी कारणों से आगणन का पुनरीक्षण किसी भी दशा में नहीं किया जायेगा।
- 5- कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं लो0नि0वि0 द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।
- 6- निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाय तथा उपयुक्त सामग्री ही प्रयोग में लायी जाय।
- 7- विस्तृत आगणन में प्राविधानित डिजायन एवं मात्राओं हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता एवं अधीक्षण अभियन्ता पूर्णरूप से उत्तरदायी होंगे।
- 8- स्वीकृत विस्तृत आगणन के प्राविधानों एवं तकनीकी स्वीकृति के आगणन के प्राविधानों में परिवर्तन (केवल अपरिहार्य स्थिति की दशा में ही) करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की सहमति अनिवार्य रूप से प्राप्त की ली जाये।
- 9- मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-2047/XIV -219(2006) दिनांक 30-5-2006 द्वारा निर्गत आदेशों का कड़ाई से पालन करने का कष्ट करें।
- 10- कार्य प्रारम्भ कराने से पूर्व उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।
- 11- व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका से करने के लिए बजट मैनुअल या वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा, ऐसा व्यय करने से पूर्व प्रत्येक कार्य के आगणनों/पुनरीक्षित आगणनों पर प्रशासकीय एवं वित्तीय अनुमोदन के साथ-साथ विस्तृत आगणनों पर सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति भी प्राप्त कर ली जाय। कार्य करते समय टेण्डर विषयक नियमों का भी अनुपालन किया जाय। यदि टेण्डर करने में कार्य की प्रशासकीय स्वीकृति की लागत से कम लागत पर पूर्ण होता है तो ऐसे समस्त बचतों को प्रचलित वित्तीय नियमों का अनुपालन कर राजकीय कोष में जमा कर दिया जाय।
- 12- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2013-14 के अनुदान संख्या-11 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक 4202-शिक्षा खेलकूद तथा संस्कृति पर पूंजीगत परिव्यय-00-आयोजनागत-03- खेलकूद तथा युवक सेवा खेलकूद स्टेडियम-102-खेलकूद स्टेडियम-13-देहरादून स्पोर्ट्स कॉलेज के भवन का निर्माण-24-वृहत निर्माण कार्य मानक मद के आयोजनागत पक्ष के नामें डाला जायेगा। .....(3)



14- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-130(पी)/XXVII(3)/2013-14 दिनांक 22 जनवरी, 2014 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं

भवदीय,


(डॉ० अजय कुमार प्रद्योत)  
सचिव।

पृष्ठांकन संख्या 21 / VI-2 / 2014-22(14) / 2013 तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, सहारनपुर रोड़, ओबराय बिल्डिंग, देहरादून।
2. निजी सचिव, मा० खेल मंत्री जी, उत्तराखण्ड।
3. प्रधानाचार्य, महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कालेज रायपुर, देहरादून।
4. वरिष्ठ कोषाधिकारी, कोषागार, देहरादून
5. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3, उत्तराखण्ड देहरादून।
6. सम्बन्धित संस्था।
7. एन०आई०सी०, सचिवालय देहरादून।
8. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

  
(लक्ष्मण सिंह)  
उप सचिव।

